



محبوبه معطر با غچه ها و کوچه ها



که به توت شباهت دارد و البته در تابستان و پاییز روی شاخه های گیاه می نشیند. محبوبه شب دارای ریشه عمودی اصلی عمیق و پایدار است. رشد این گیاه نامنظم است و از هر طرف شاخه های بلند ادامه پیدا می کند.

شرایط نگهداری:

♦ یاس شب به آبیاری منظم حداقل سه بار در هفته نیاز دارد. در فصل گرما تعداد دفعات آبیاری به یک بار در روز افزایش پیدا می کند.

♦ هر سه هفته یک بار، استفاده از کودهای محلول حاوی فسفات آمونیوم برای تقویت گیاه لازم است. PH خاک محبوبه شب برای رشد مناسب گیاه ۷ تا ۷/۵ است.

♦ محبوبه شب به نور کامل آفتاب نیاز دارد. اگر گیاهتان را در گلدان کاشته اید، آن را پشت پنجره قرار دهید. در باغچه نیز باید گیاه در معرض نور خورشید باشد.

♦ این گیاه به خاک نرم و مرطوب نیاز دارد. ترکیب پیت ماسه، کمپوست و خاک باغچه برای محبوبه شب مناسب است.

♦ محبوبه شب گیاهی مورد علاقه پرندگان است و دانه هایش توسط آنها پراکنده می شود. اگر محبوبه شب در خانه دارید، می توانید در هوای ملایم و مرطوب از دوروش قلمه زدن شاخه های نازک گیاه یا کاشتن بذرهای گیاه در عمق ده سانتی خاک به تکثیر این گیاه بپردازید.

♦ اگر می خواهید محبوبه شب منظم تری داشته باشید هر سال بعد از برگریزان، ساقه های قدیمی را هرس کنید.

احتمالا این شب ها شما هم عطر خوب گل های شب بو را در گوشه و کنار حیاط خانه یا برخی کوچه ها احساس کرده اید، بهار با همین عطر گل هایش انسان را مست و بیهوش می کند و البته آرام آرام ما را به تابستان گرم بدرقه می کند.

این هفته برای شما از گل «محبوبه» یا «یاس شب» یا به قول غربی ها «جاسمین» می نویسیم؛ گیاهی فوق العاده معطر و خوشبو و خاطره انگیز که با این اسامی شناخته می شود و از خانواده Solanaceae است که اصلش به آمریکای جنوبی و مرکزی بازمی گردد، اما سال ها و شاید قرن هاست که در ایران ما آن را می شناسیم و شاعران بسیاری برایش شعر گفته و عاشقی کرده اند. جاسمین، درختچه ای چند ساله است که تا سه متر هم رشد می کند و در همین تهران خودمان هم در بسیاری از باغچه ها آن را می بینیم. برگ های سبز براق آن ده الی ۱۲ سانتی متر طول دارد و گل های ریز زرد و سبز دارد که در بهار و پاییز چشم نوازی می کنند. جالب است بدانید محبوبه شب میوه هم دارد، میوه ای

هدیه ای برای دایی شهید:
مهلا مومن زاده، دختر ۱۷ ساله ایرانی دو هفته پیش در منچستر انگلیس روی سکوی قهرمانی رفت و توانست مدال نقره مسابقات تکواندوی قهرمانی جهان را بر گردن آویزد، او هفته گذشته نیز یک بار دیگر روی سکوفت. اما این بار نه سکوی قهرمانی که سکوی اخلاق و بزرگی. مومن زاده مدال خود را در حالی در مراسمی ویژه به موزه آستان قدس رضوی تقدیم کرد که پدر شهید عباس غیاثوندی به همراه سید محمد پولادگر رئیس فدراسیون تکواندو حضور داشتند و مهلا مومن زاده مدال نقره خود را با یاد دایی شهید خود شهید عباس غیاثوندی به این موزه تقدیم کرد.



آن را بخش ناگفته و بااهمیتی از حوادث دوران دفاع مقدس معرفی کردند. خانم سیما تیرانداز، بازیگر خوب کشورمان به تازگی این کتاب را به صورت صوتی و تصویری خوانده است و در فضای مجازی با یک جست و جوی ساده قابل دسترسی است. پیشنهاد می کنیم اگر برای مطالعه فرصت ندارید، دست کم این کتاب را به روایت سیما تیرانداز بشنوید یا تماشا کنید.

فرنگیس به روایت سیما تیرانداز: کتاب «فرنگیس» روایت دلیری های خانم فرنگیس حیدرپور، شیرزن خطه گیلان غرب، به قلم خانم مهنراز فتاحی از روایت های خواندنی مقاومت زنان ایرانی در برابر مهاجمان بعثی، در دوران دفاع مقدس است که تاکنون بارها تجدید چاپ شده است و رهبر انقلاب هم تقریظی بر این اثر نوشته اند و

آن گفته و منتشر شده است، آیا مصرف کاکائو سودمند است یا می تواند مضرات مختلفی را داشته باشد؟ آیا خوردن شیر کاکائو و شکلات های حاوی کاکائو برای افزایش انرژی مناسب است؟ گد کتر منتظر، پزشک و پژوهشگر و مولف طب ایرانی - اسلامی در یک جمله به این پرسش پاسخ داده است: «زیاده روی در مصرف چای و داتی، قهوه، نسکافه و کاکائو موجب افزایش سودا در بدن می شود، ضمن این که طبق اخبار واصله در ایران کاکائو واقعی نداریم و آنچه به نام کاکائو رواج دارد، ماده ای شبیه سازی شده است.»



چرا کاکائو نخوریم؟ کاکائو از جمله خوراکی های پرطردار به خصوص میان کودکان است، اما تاکنون مطالب ضد و نقیض زیادی درباره مصرف کاکائو و فواید یا مضرات

توضیح برای رمز جدول:

پس از حل کامل جدول از پشت سرهم قرار دادن حروف خانه هایی که با عدد مشخص شده اند رمز جدول به دست می آید. تعداد حروف رمز جدول در هر شماره می تواند متغیر باشد.

طراح: بیژن گورانی

جدول

پروردگار یکتا	خبر دروغ	رایحه	سند	یادداشت	دیروز عرب	پدر پینوکیو	کتف	ترمز کشتی
محصول مدرسه		خالص	اشتباه	وجه		خاور	تلاش	فرار کردن
			رایانه کیفی			ابزاری برای انتقال پیام		
			صدر			صوی مجدد		
		معلم اول			منتظر و امیدوار		کچل	۱
		دانش ذاتی						
نوشیدنی گرم		۲	داغ داغ	۸			نام قدیم مدینه	
بشقاب استکان			جنگ و نبرد					
عسل		گرداگرد دهان						
قلب دوم		رستنی چتری	کام					
			۷					
		دوره ای از بیماری یک دهم						
ملاک سنجش			H ₂ O					
تاب و توان								
		برنج فروش						
از ادویه			۶					

کوهوت	عپ	دستور فاسی	ت	ح	ع	حالت عطشی	ک	از اهرای میل	فوس	م	ز	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش	
-------	----	------------	---	---	---	-----------	---	--------------	-----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--